दैनिक भास्कर

उदयपुर 30-03-2023

उदयपुर में तैयार हुआ प्रदेश का पहला फ्लोटिंग सोलर प्लांट

पानी पर सवार बिजली

15 लाख यूनिट बिजली पैदा होगी, 500 मध्यम परिवारों को काफी

उदयपुर। जिले में प्रदेश के पहले फ्लोटिंग सोलर प्लांट का बुधवार को उद्घाटन हुआ। प्रमुख सीमेंट उत्पादक कंपनी उदयपुर सीमेंट ने अपनी दरोली माइंस पर इसे बनाया है। इस माइंस ने तालाब का रूप ले लिया था, इसके करीब 7200 स्क्वायर मीटर में चार माह के दौरान यह प्लांट तैयार किया गया। इससे एक साल में लगभग 15 लाख यूनिट बिजली पैदा होगी। यह 500 मध्यम वर्ग के परिवारों की बिजली की जरूरत को पूरा करने के लिए काफी है। प्लांट का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्य ऊर्जा मंत्री भंवरसिंह भाटी, जल संसाधन मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय, राज्यमंत्री जगदीश राज श्रीमाली और वल्लभनगर विधायक प्रीति शक्तावत ने किया। इस अवसर पर कंपनी के निदेशक श्रीवत्स सिंघानिया भी मौजूद थे। कार्यक्रम में राज्य मंत्री जगदीश राज श्रीमाली ने श्रमिक हितों में किए जा रहे नवाचारों से अवगत कराया। ऊर्जा मंत्री भाटी ने कहा कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा उत्पादन में अग्रिम राज्य बन चुका है। कंपनी के सीएसआर हेड महीप डीडी चारण ने बताया कि एक मेगावाट के प्रोजेक्ट से सबसे बड़ा फायदा पर्यावरण संरक्षण के साथ कई तरह की बचत भी होगी।

सीमेंट उद्योग में पहले अनूठे तैरते सोलर संयंत्र का शुभारम्भ

महानगर संवाददाता

उदयपुर। देश की प्रतिष्ठित सीमेंट कंपनियों में एक उदयपुर सीमेंट वर्क्स लिमिटेड ने ग्रीन एनर्जी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपनी दरोली माइन्स पर सोलर प्लान्ट लगाया है। एक मेगावाट के इस प्लान्ट का उद्घाटन राजस्थान प्रदेश के ऊर्जा मंत्री भंवरसिंह भाटी ने किया।

इस अवसर पर भाटी ने कहा कि सरकार सोलर एनर्जी को प्रोत्साहन देने के लिए बहुत योजनाएं चला रही है। उन्होंने सोलर प्लान्ट लगाने के लिए उदयपुर सीमेंट प्रबंधन को बधाई दी और कहा फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट उदयपुर सीमेंट की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के अलावा पर्यावरण संरक्षण के लिए एक कुशल और टिकाऊ समाधान प्रदान करेगा। कम्पनी सीईओ और डायरेक्टर श्रीवत्स सिंघानिया ने बताया कि यह पानी में तैरता प्लान्ट अनूठा व देश की सीमेंट इण्डस्ट्री में पहला है। इससे प्रतिवर्ष 1500 मीट्रिक टन कार्बन कम उत्सर्जित होगा जो एक साल में 1.5 लाख पौधे लगाने के बराबर है। साथ ही सिंघानिया ने कम्पनी की नयी ब्राडगेज रेल्वे साइडिंग पर भी मालगाड़ी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया, जगदीशराज श्रीमाली, प्रीति गजेन्द्रसिंह शक्तावत के साथ कम्पनी के पूर्णकालिक निदेशक नवीनकुमार शर्मा, शशिकांत कुमार, ओपी गढवी व सिद्धार्थ वशिष्ठ उपस्थित थे।

बी प्लस

उदयपुर सीमेंट ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा: श्रीवत्स सिंघानिया

उदयपुर। देश की प्रतिष्ठित सीमेंट कंपनियों में से एक उदयपुर सीमेंट वर्क्स लिमिटेड ने ग्रीन एनर्जी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपनी दरोली माइन्स पर सोलर प्लान्ट लगाया। एक मेगावाट के इस सोलर प्लान्ट का उद्घाटन राजस्थान प्रदेश के ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने किया।

इस अवसर पर भाटी ने कहा कि सरकार सोलर एनर्जी को प्रोत्साहन देने के लिए बहुत सी योजनाएं चला रही है। उन्होंने सोलर प्लान्ट लगाने के लिए उदयपुर सीमेंट प्रबंधन को बधाई दी और कहा की फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट उदयपुर सीमेंट की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के अलावा पर्यावरण संरक्षण के लिए एक कुशल और टिकाऊ समाधान प्रदान करेगा।

कम्पनी के सीईओ और डायरेक्टर श्रीवत्स सिंघानिया ने बताया कि यह पानी में तैरता प्लान्ट अपने आप में अनूठा व देश की सीमेंट इण्डस्ट्री में पहला है। इस सोलर प्लांट से प्रतिवर्ष 1500 मीट्रिक टन कार्बन कम उत्सर्जित होगा जोकि एक साल में 1.5 लाख पौधे लगाने के बराबर है। ये फ्लोटिंग सोलर प्लांट लगाने से सालभर में 8000 क्यू. मीटर पानी का वाष्पीकरण कम होगा। इस प्रकार ये सोलर प्लांट कार्बन फुट प्रिंट को कम करने के लिए उदयपुर सीमेंट की प्रतिबद्धता में योगदान देगा।

साथ ही सिंघानिया ने कम्पनी की नयी ब्राडगेज रेल्वे साइडिंग पर भी मालगाड़ी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेक 21 वर्ष बाद पुनः शुरू हुआ है जिससे कम्पनी को देशभर में कम लागत में अपना माल परिवहन करने में सुविधा होगी। इस अवसर पर राज्य सरकार के मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया, जगदीशराज श्रीमाली, श्रीमती प्रीति गजेन्द्र सिंह शक्तावत के साथ कम्पनी के पूर्णकालिक निदेशक नवीन कुमार शर्मा, शशिकांत कुमार, ओपी गढवी व सिद्धार्थ वशिष्ठ उपस्थित थे। उदयपुर सीमेंट वर्क्स लिमिटेड, जेके लक्ष्मी सीमेंट की ग्रुप कंपनी है जो प्लेटिनम हैवी ड्यूटी सीमेंट ब्रांड के साथ राजस्थान और गुजरात के बाजारों में अपना एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। कंपनी, प्रतिष्ठित जेके आर्गेनाइजेशन का हिस्सा है जो राष्ट्रीय विकास के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्र जैसे कागज, सीमेंट, टायर, एग्री-जेनेटिक्स, डेरी आदि में 125 से अधिक वर्षों से कार्यरत है।

जेके आर्गेनाइजेशन की कार्यशैली में कुशल औद्योगिक अनुभव, सतत अनुसंधान और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल का अनूठा संगम दिखता है। जेके आर्गेनाइजेशन के सभी ब्रांड बाजार में बेहद लोकप्रिय और किसी न किसी रूप् में देश के हर नागरिक से जुड़े हुए हैं। संगठन ने विभिन्न क्षेत्रों में अत्यधिक प्रतिष्ठित अनुसंधान और विकास संस्थान भी स्थापित किए हैं।

उदयपुर सीमेंट ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा: सिंघानिया

सीमेंट उद्योग में देष का पहला व अनूठा पानी पर तैरते सोलर संयंत्र का शुभारम्भ

उदयपुर। देश की प्रतिष्ठित सीमेंट कंपनियों में से एक उदयपुर सीमेंट वर्क्स लिमिटेड ने ग्रीन एनर्जी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपनी दरोली माइन्स पर सोलर प्लान्ट लगाया। एक मेगावाट के इस सोलर प्लान्ट का उद्घाटन राजस्थान प्रदेश के ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने किया। इस अवसर पर भाटी ने सोलर प्लान्ट लगाने के लिए उदयपुर सीमेंट प्रबंधन को बधाई दी और कहा की फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट उदयपुर सीमेंट की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के अलावा पर्यावरण संरक्षण के लिए एक कुशल और टिकाऊ समाधान प्रदान करेगा।

कम्पनी के सीईओ और डायरेक्टर श्रीवत्स सिंघानिया ने बताया कि यह पानी में तैरता प्लान्ट अपने आप में अनूठा व देश की सीमेंट इण्डस्ट्री में पहला है। इस सोलर प्लांट से प्रतिवर्ष 1500 मीट्रिक टन कार्बन कम उत्सर्जित होगा जोकि एक साल में 1.5 लाख पौधे लगाने के बराबर है। ये फ्लोटिंग सोलर प्लांट लगाने से सालभर में 8000 क्यू. मीटर पानी का वाष्पीकरण कम होगा। इस प्रकार, ये सोलर प्लांट कार्बन फुट प्रिंट को कम करने के लिए उदयपुर सीमेंट की प्रतिबद्धता में योगदान देगा। साथ ही सिंघानिया ने कम्पनी की नयी ब्राडगेज रेल्वे साइडिंग पर भी मालगाड़ी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेक 21 वर्ष बाद पुन: शुरू हुआ है जिससे कम्पनी को देशभर में कम लागत में अपना माल परिवहन करने में सुविधा होगी। इस अवसर पर राज्य सरकार के मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया, जगदीशराज श्रीमाली, श्रीमती प्रीति गजेन्द्र सिंह शक्तावत के साथ कम्पनी के पूर्णकालिक निदेशक नवीन कुमार शर्मा, शशिकांत कुमार, ओपी गढवी व सिद्धार्थ वशिष्ठ उपस्थित थे।

नर्सिंग अधीक्षक लक्ष्मी का सम्मान

उदयपुर। टीबी सेनेटोरियम हास्पिटल बड़ी की नर्सिंग अधीक्षक लक्ष्मी अहोडा का राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन उदयपुर शहर के जिला अध्यक्ष पवन कुमार दानाध्यक्ष नेतृत्व में पुष्पमाला, अपरणा ओढ़ाकर, शॉल ओढ़ाकर, प्रशंसा पत्र भेंट कर सम्मान एवं अभिनंदन किया गया।

30 March 2023_Udaipur Dopahar.pdf

शर्मा, रवेता रमण श्रीमाली, गोपाल बम्ब और रेणु जाधव उपस्थित थे। प्राचार्य पुष्पराज राणावत ने विचार रखे। धन्यवाद चित्रकला विभागाध्यक्ष नीलोफर मुनीर ने जताया।

में बुधवार देर रात एक सरकारी शिक्षक अपने मकान की छत पर टहलते समय अचानक नीचे गिर गए। जिनको जिला

जानकारी के अनुसार पानेर के सरकारी स्कूल में विज्ञान विषय का शिक्षक त्रिशूलधारी पुत्र नाथूसिंह राजपूत निवासी

खान के बाद छत पर टहल रहे थे कि अचानक 2 मंजिल ऊपर से नीचे गिर गए और गंभीर घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन व ग्रामीण मौके पर जमा हुए और उनको 108 की मदद से

हालत को देखते हुए जिला अ कर दिया। जिला अस्पताल प ही शिक्षक ने बीच रास्ते में दिया। पुलिस ने मर्ग दर्ज क कर दी है।

दरौली में पानी पर तैरते अनूठे सोलर संयंत्र का किया शुभारंभ

उदयपुर दोपहर (वि.)। उदयपुर सीमेंट वर्क्स लिमिटेड ने ग्रीन एनर्जी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपनी दरोली माइन्स पर सोलर प्लान्ट लगाया। एक मेगावाट के इस सोलर प्लांट का उद्घाटन करते हुए ऊर्जा मंत्री भंवरसिंह भाटी ने कहा कि सरकार सोलर एनर्जी को प्रोत्साहन देने के लिए बहुत सी योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा कि यह संयंत्र ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के अलावा पर्यावरण संरक्षण के लिए एक कुशल और टिकाऊ समाधान प्रदान करेगा। कम्पनी के सीईओ और डायरेक्टर श्रीवत्स सिंघानिया ने कहा कि इस सोलर प्लांट से प्रतिवर्ष 1500 मीट्रिक टन कार्बन कम उत्सर्जित होगा जोकि एक

साल में 1.5 लाख पौधे लगाने के बराबर है। ये फ्लोटिंग सोलर प्लांट लगाने से सालभर में 8000 क्यू. मीटर पानी का वाष्पीकरण कम होगा। सिंघानिया ने कम्पनी की नई ब्राडगेज रेल्वे साइडिंग पर भी मालगाड़ी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर राज्य सरकार के मंत्री महेन्द्रजीतसिंह मालवीया, जगदीशराज श्रीमाली, प्रीति शक्तावत के साथ कंपनी के

पूर्णकालिक निदेशक नवीन कुमार शर्मा, शशिकांत कुमार, ओपी गढवी व सिद्धार्थ वशिष्ठ उपस्थित थे।

बीएन कृषि छात्रों ने किया लघु वन उपज बाजार क

उदयपुर दोपहर (वि.)। बीएन कृषि महाविद्यालय के छात्रों ने नियंत्रित खाद्यान्न वन उपज बाजार एवं राष्ट्रीय कृषि बाजार इकाइयों का भ्रमण किया। इकाई के

लघु वन उपज बाजार में किसानों की उपज का खुली निलामी प्रणाली द्वारा वन उपज की बिक्री को प्रयोगात्मक रुप से दिखाया गया। विषय विशेषज्ञ डॉ. पीएस राव ने बताया कि लघु वन उपज मण्डी, उदयपुर सम्पूर्ण राजस्थान की एक मात्र मण्डी है जिसमें महुआ, आंवला, रेयटा, फुफाड़िया, नीम के बीज, सफेद मूसली, शहद समेत कई प्रकार की जड़ी बूटियों की बिक्री होती है। छात्रों ने रा सीड कॉपोरेशन की इकाई में बीज ग्रेडिंग, क्लीनींग, पैकिंग व प्रमाणीकरण व गहन अवलोकन किया। विद्यार्थियों के उद्यमिता विकास को प्रोत्साहन देने के लि एवं चावल की सोर्टेक्स इकाई का अवलोकन करवाया गया।

उदयपुर सीमेंट ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा: सिंघानिया

सीमेंट उद्योग में देश का पहला व अनूठा पानी पर तैरते सोलर संयंत्र का शुभारम्भ

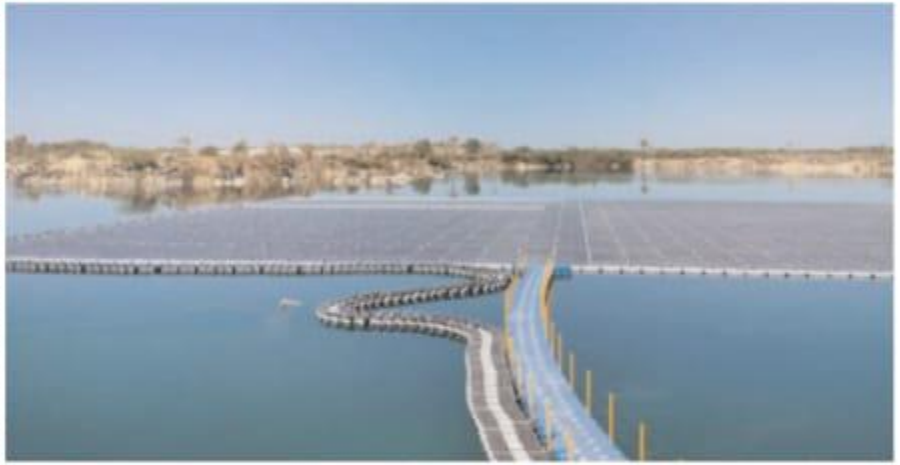

आत्मा की ज्वाला
www.aatmakijwala.com

उदयपुर। देश की प्रतिष्ठित सीमेंट कंपनियों में से एक उदयपुर सीमेंट वर्क्स लिमिटेड ने ग्रीन एनर्जी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपनी दरोली माइन्स पर सोलर प्लान्ट लगाया। एक मेगावाट के इस सोलर प्लान्ट का उद्घाटन राजस्थान प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री भंवर सिंह भाटी ने किया। इस अवसर पर श्री भाटी ने कहा कि सरकार सोलर एनर्जी को प्रोत्साहन देने के लिए बहुत सी योजनाएं चला रही है। उन्होंने सोलर प्लान्ट लगाने के लिए उदयपुर सीमेंट प्रबंधन को बधाई दी और कहा की फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट उदयपुर सीमेंट की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के अलावा पर्यावरण संरक्षण के लिए एक कुशल और टिकाऊ समाधान प्रदान करेगा। कम्पनी के सीईओ और डायरेक्टर श्री श्री वत्स सिंघानिया ने बताया कि यह पानी में तैरता प्लान्ट अपने आप में अनूठा व देश की सीमेंट इण्डस्ट्री में पहला है। इस सोलर प्लांट से प्रतिवर्ष 1500 मीट्रिक टन कार्बन कम उत्सर्जित होगा जोकि एक साल में 1.5 लाख पौधे लगाने के बराबर है। ये फ्लोटिंग सोलर प्लांट लगाने से सालभर में 8000 क्यू. मीटर पानी का वाष्पीकरण कम होगा। इस प्रकार, ये सोलर प्लांट कार्बन फुट प्रिंट को कम करने के लिए उदयपुर सीमेंट की प्रतिबद्धता में योगदान देगा। साथ ही श्री सिंघानिया ने कम्पनी की नयी ब्राडगेज रेल्वे साइडिंग पर भी मालगाड़ी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेक 21 वर्ष बाद पुनः शुरू हुआ है जिससे कम्पनी को देशभर में कम लागत में अपना माल परिवहन करने में सुविधा होगी। इस अवसर पर राज्य सरकार के मंत्री श्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया, श्री जगदीशराज श्रीमाली, श्रीमती प्रीति गजेन्द्र सिंह षक्तावत के साथ कम्पनी के पूर्णकालिक निदेशक श्री नवीन कुमार शर्मा, श्री शशिकांत कुमार, श्री ओपी गढ़वी व श्री सिद्धार्थ वशिष्ठ उपस्थित थे। उदयपुर सीमेंट वर्क्स लिमिटेड, जेके लक्ष्मी सीमेंट की ग्रुप कंपनी है जो प्लेटिनम हैवी ड्यूटी सीमेंट ब्रांड के साथ राजस्थान और गुजरात के बाजारों में अपना एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। कंपनी, प्रतिष्ठित जेके आर्गेनाइजेशन का हिस्सा है जो राष्ट्रीय विकास के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्र जैसे कागज, सीमेंट, टायर, एग्री-जेनेटिक्स, डेरी आदि में 125 से अधिक वर्षों से कार्यरत है। जेके आर्गेनाइजेशन की कार्यशैली में कुशल औद्योगिक अनुभव, सतत अनुसंधान और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल का अनूठा संगम दिखता है। जेके आर्गेनाइजेशन के सभी ब्रांड बाजार में बेहद लोकप्रिय और किसी न किसी रूप में देश के हर नागरिक से जुड़े हुए है। संगठन ने विभिन्न क्षेत्रों में अत्यधिक प्रतिष्ठित अनुसंधान और विकास संस्थान भी स्थापित किए हैं।

डबोक सीमेंट प्लांट का होगा विस्तार, 10 हजार नए लोगों को मिलेगा रोजगार

उदयपुर. डबोक क्षेत्र के लोगों के लिए रोजगार का प्रमुख जरिया कहे जाने वाली सीमेंट फैक्ट्री का विस्तार होने वाला है। इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। छह माह में काम पूरा होगा। ऐसे में वर्तमान में करीब 10 हजार लोग इस पर आश्रित हैं, वहीं विस्तार के बाद यह संख्या दुगुनी हो जाएगी। यहां से 10 हजार नए लोगों को रोजगार मिलेगा।

यह जानकारी उदयपुर सीमेंट वर्क्स के डायरेक्टर व सीइओ श्रीवत्स सिंघानिया ने दी। प्लांट विजिट पर आए सिंघानिया ने बताया कि प्लांट की उत्पादन क्षमता 2.2 मिलियन टन है, जो बढ़कर 4 मिलियन टन होगी। विस्तार की योजना में 1650 करोड़ रुपए खर्च होंगे। उन्होंने बताया कि प्लांट के विस्तार के साथ ही सीएसआर एक्टिविटी भी बढ़ेगी। वर्तमान में क्षेत्र की करीब 40 ग्राम पंचायत में स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, पर्यावरण, ग्रामीण विकास, आजीविका पर काम हो रहा है। भविष्य में इसका दायरा भी बढ़ेगा।

यह है इतिहास

उदयपुर सीमेंट वर्क्स प्लांट वर्ष 2002 में बंद हो गया था। मजदूरों के साथ ही आश्रितों को नुकसान हुआ। आंदोलन के बाद भी बात नहीं बनी। आखिर 15 साल बाद 2016 में इसका अधिग्रहण जेके सीमेंट वर्क्स ने किया। पुनः प्लांट चला तो लोगों को रोजगार मिला। करीब 850 करोड़ निवेश से पुनः शुरुआत हुई थी।

महंगाई- शेयरों प

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. बढ़ती महंगाई पर काबू पा के लिए दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने वर्ष 2022-23 में ब्याज दरों में भार बढ़ोतरी की, जिससे दुनियाभर के शेयर बाजारों में उठापटक दिखी। वर्ष 2022 में भारतीय बाजार 4% तेजी में रहे, वहीं 2023 में बाजार 6% लुढ़क चुके हैं। बाजार में आई गिरावट से स्मॉलकैप शेयरों पर अधिक चोट पड़ी। वर्ष 2022-23 में स्मॉलकैप शेयरों में जहां 7.3% की गिरावट आई, वहीं 2023 के पहले तीन महीनों में ही ये 10% से अधिक टूट चुके हैं। निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स में तो 12% की गिरावट आई है।

बाजार में गिरावट का असर इक्विटी म्यूचुअल फंड्स पर भी पड़ा है। 491 इक्विटी फंड्स में से केवल दो फंड्स ने निवेशकों को डबल डिजिट में रिटर्न दिया है। 2023 में 42 इक्विटी फंड्स ने पॉजिटिव रिटर्न दिया है, बाकी सभी ने निवेशकों का नुकसान ही कराया है। बीएसई 500 के 50% स्टॉक्स लाल निशान में रहे।

प्रदेश का पहला फ्लॉटिंग सोलर प्लांट शुरू

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर. सीमेंट वर्क्स की ओर से दरोली स्थित माइन्स पर सोलर प्लान्ट लगाया गया है। एक मेगावाट के प्लान्ट का उद्घाटन ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने किया। इस दौरान जल संसाधन मंत्री महेन्द्रजीतसिंह मालवीया, जगदीशराज श्रीमाली, वल्लभनगर विधायक प्रीति सिंह शक्तावत, कम्पनी के नवीन कुमार शर्मा, शशिकांत कुमार, ओपी गढवी व सिद्धार्थ वशिष्ठ मौजूद थे। कम्पनी के निदेशक श्रीवत्स सिंघानिया ने बताया कि फ्लॉटिंग सोलर प्लान्ट राजस्थान का पहला और सीमेंट इण्डस्ट्री में देशभर का पहला प्लांट है। इससे प्रतिवर्ष 1000 टन कार्बन कम उत्सर्जित होगा। इससे तालाब में सालभर में 8000 क्यूबिक मीटर पानी का वाष्पीकरण भी कम होगा। सिंघानिया ने कम्पनी की नई ब्राडगेज रेल साइडिंग पर भी मालगाड़ी को झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेक 21 साल बाद पुनः शुरू हुआ है।

यूपीआइ चार्ज को लेकर

ग्राहकों के लि

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स (पीपीआइ) के जरिए मर्चेंट की ओर से किए गए 2000 रुपए से ज्यादा के ट्रांजैक्शन पर एक अप्रेल से 1.1% तक इंटरचेंज फीस लगेगी। लेकिन इसका आम ग्राहकों पर कोई असर

सीमेंट उद्योग में देश का पहला व अनूठा पानी पर तैरते सोलर संयंत्र का शुभारंभ

'उदयपुर सीमेंट ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा'

समाचार जगत ब्यूरो

उदयपुर. देश की प्रतिष्ठित सीमेंट कंपनियों में से एक उदयपुर सीमेंट वर्क्स लिमिटेड ने ग्रीन एनर्जी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपनी दरोली माइन्स पर सोलर प्लान्ट लगाया। एक मेगावाट के इस सोलर प्लान्ट का उद्घाटन राजस्थान प्रदेश के ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने किया। इस अवसर पर भाटी ने कहा कि सरकार सोलर एनर्जी को प्रोत्साहन देने के लिए बहुत सी योजनाएं चला रही है। उन्होंने सोलर प्लान्ट लगाने के लिए उदयपुर सीमेंट प्रबंधन को बधाई दी और कहा की फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट उदयपुर सीमेंट की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के अलावा पर्यावरण संरक्षण के लिए एक कुशल और टिकाऊ समाधान प्रदान करेगा। कम्पनी के सीईओ और डायरेक्टर श्रीवत्स सिंघानिया ने बताया कि यह पानी में तैरता प्लान्ट अपने आप में अनूठा व देश की सीमेंट इण्डस्ट्री में पहला है। इस सोलर प्लांट से प्रतिवर्ष 1500 मीट्रिक टन कार्बन कम उत्सर्जित होगा जोकि एक साल में 1.5 लाख पौधे लगाने के बराबर है। ये फ्लोटिंग सोलर प्लांट लगाने से सालभर में 8000 क्यू. मीटर पानी का वाष्पीकरण कम होगा। इस प्रकार, ये सोलर प्लांट कार्बन फुट प्रिंट को कम करने के लिए उदयपुर सीमेंट की प्रतिबद्धता में योगदान देगा। साथ ही सिंघानिया ने कम्पनी की नयी ब्राडगेज रेल्वे साइडिंग पर भी मालगाड़ी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेक 21 वर्ष बाद पुनः शुरू हुआ है जिससे कम्पनी को देशभर में कम लागत में अपना माल परिवहन करने में सुविधा होगी।

उदयपुर सीमेंट ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगाः सिंघानिया

सीमेंट उद्योग में देश का पहला व अनूठा पानी पर तैरते सोलर संयंत्र का शुभारम्भ

आत्मा की ज्वाला
www.aatmakijwala.com

उदयपुर। देश की प्रतिष्ठित सीमेंट कंपनियों में से एक उदयपुर सीमेंट वर्क्स लिमिटेड ने ग्रीन एनर्जी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपनी दरोली माइन्स पर सोलर प्लान्ट लगाया। एक मेगावाट के इस सोलर प्लान्ट का उद्घाटन राजस्थान प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री भंवर सिंह भाटी ने किया। इस अवसर पर श्री भाटी ने कहा कि सरकार सोलर एनर्जी को प्रोत्साहन देने के लिए बहुत सी योजनाएं चला रही है। उन्होंने सोलर प्लान्ट लगाने के लिए उदयपुर सीमेंट प्रबंधन को बधाई दी और कहा की फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट उदयपुर सीमेंट की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के अलावा पर्यावरण संरक्षण के लिए एक कुशल और टिकाऊ समाधान प्रदान करेगा। कम्पनी के सीईओ और डायरेक्टर श्री श्री वत्स सिंघानिया ने बताया कि यह पानी में तैरता प्लान्ट अपने आप में अनूठा व देश की सीमेंट इण्डस्ट्री में पहला है। इस सोलर प्लांट से प्रतिवर्ष 1500 मीट्रिक टन कार्बन कम उत्सर्जित होगा जोकि एक साल में 1.5 लाख पौधे लगाने के बराबर है। ये फ्लोटिंग सोलर प्लांट लगाने से सालभर में 8000 क्यू. मीटर पानी का वाष्पीकरण कम होगा। इस प्रकार, ये सोलर प्लांट कार्बन फुट प्रिंट को कम करने के लिए उदयपुर सीमेंट की प्रतिबद्धता में योगदान देगा। साथ ही श्री सिंघानिया ने कम्पनी की नयी ब्राडगेज रेल्वे साइडिंग पर भी मालगाड़ी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेक 21 वर्ष बाद पुनः शुरू हुआ है जिससे कम्पनी को देशभर में कम लागत में अपना माल परिवहन करने में सुविधा होगी। इस अवसर पर राज्य सरकार के मंत्री श्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया, श्री जगदीशराज श्रीमाली, श्रीमती प्रीति गजेन्द्र सिंह षक्तावत के साथ कम्पनी के पूर्णकालिक निदेशक श्री नवीन कुमार शर्मा, श्री शशिकांत कुमार, श्री ओपी गढवी व श्री सिद्धार्थ वशिष्ठ उपस्थित थे। उदयपुर सीमेंट वर्क्स लिमिटेड, जेके लक्ष्मी सीमेंट की ग्रुप कंपनी है जो प्लेटिनम हैवी ड्यूटी सीमेंट ब्रांड के साथ राजस्थान और गुजरात के बाजारों में अपना एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। कंपनी, प्रतिष्ठित जेके आर्गेनाइजेशन का हिस्सा है जो राष्ट्रीय विकास के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्र जैसे कागज, सीमेंट, टायर, एग्री-जेनेटिक्स, डेरी आदि में 125 से अधिक वर्षों से कार्यरत है। जेके आर्गेनाइजेशन की कार्यशैली में कुशल औद्योगिक अनुभव, सतत अनुसंधान और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल का अनूठा संगम दिखता है। जेके आर्गेनाइजेशन के सभी ब्रांड बाजार में बेहद लोकप्रिय और किसी न किसी रूप् में देश के हर नागरिक से जुड़े हुए हैं। संगठन ने विभिन्न क्षेत्रों में अत्यधिक प्रतिष्ठित अनुसंधान और विकास संस्थान भी स्थापित किए हैं।